LOK SABHA

Wednesday, April 14, 1965/Chaitra 24, 1887 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

शिक्षकों के प्रशिक्षण कालिज

+

*855. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती ।

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) अहिन्दी भाषी राज्यों में हिन्दी के प्रचार के लिये शिक्षकों के प्रशिक्षण कालेज स्थापित करने के बारे में कितनी प्रगति हुई है;

(ख) अहिन्दी भाषी राज्यों ने केन्द्रीय सरकार की हिन्दी प्रचार योजना को कहां तक क्रियान्वित किया है;

(ग) क्या इस वर्ष हिन्दी के लिये कुछ विशेष कार्यक्रम तैयार किये गये हैं; और

(घ) यदि हां, तो उन की मुख्य बातें क्या हैं ?

शिक्षा मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री भक्त दर्शन) : (क) से (घ). विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

(क) हिन्दी अध्यापक प्रशिक्षण कालेज निम्नलिखित राज्यों में खोले गये हैं : आंध्र प्रदेश (2 कालेज), गुजरात (1 कालेज) केरल (1 कालेज), मद्रास (1 कालेज), महाराष्ट्र (10 अल्पकालिक प्रशिक्षण केन्द्र), मैसूर (3 कालेज) और पश्चिम बंगाल (1 कालेज) । इस वर्ष के दौरान, उड़ीसा में भी ऐसा एक कालेज खोले जाने की सम्भावना है।

इस सम्बन्ध में, असम और जम्मू तथा काश्मीर की सरकारों से बातचीत की जा रही है ।

(ख) आंध्र प्रदेश, गुजरात, केरल, मद्रास, महाराष्ट्र, मैसूर और पश्चिमी बंगाल राज्यों में हिन्दी अध्यापक प्रशिक्षण का कार्य तथा आन्ध्र प्रदेश, असम, गुजरात, केरल, मैसूर, उड़ीसा और पश्चिमी बंगाल राज्यों में हिन्दी अध्यापकों की नियुक्ति का कार्य काफी सन्तोषजनक रहा है । 1964–65 वर्ष के दौरान, हिन्दी अध्यापकों की नियुक्ति के लिए इन राज्यों को 1,90,87,954 रुपये का अनुदान दिया गया था, जिस में पिछले वर्षों में किया गया खर्च भी शामिल है ।

इस के अतिरिक्त, अहिन्दी भाषी राज्यों में हिन्दी प्रचार कार्य में लगे हुए स्वैच्छिक संगठनों को 1964–65 वर्ष के दौरान कुल 8.27 लाख रुपये के अनुदान भी दिए गए थे । हिन्दी प्रचार में लगे स्वैच्छिक संगठनों को सहायता की मात्रा 60 प्रतिशत से 75 प्रतिशत बढ़ाने का निर्णय पिछले वित्त वर्ष के दौरान किया गया था और इस पर अमल चालू वित्त वर्ष से किया जाएगा ।

(ग) और (घ). इस कार्यक्रम की मुख्य मुख्य मदें फिल हाल ये हैं :—(1) हिन्दी अध्यापकों का प्रशिक्षण (2) हिन्दी अध्यापकों की नियुक्ति (3) हिन्दी पुस्तकों का मुफ्त वितरण और (4) अहिन्दी भाषी क्षेत्रों म हिन्दी प्रचार कार्य में उत्साह और निष्ठा-पूर्वक लगी हुई स्वैच्छिक हिन्दी संगठनों को अनुदान ।

इन कार्यक्रमों को और अधिक तेजी से करने का विचार है ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : इस विवरण को देखने से ऐसा प्रतीत होता है और ऐसी जानकारी भी हमारी है कि राज्य सरकारों ने और उन राज्यों के निवासियों ने भी केन्द्रीय सरकार से कुछ इस प्रकार की मांग की है कि सरकार की ओर से जो ये हिन्दी शिक्षकों के लिए विद्यालय इन राज्यों के अन्तर्गत चलाये जा रहे हैं, वे अपर्याप्त हैं और उन की संख्या को और बढ़ाया जाए, इस कार्य में और प्रगति लाई जाए। मैं जानना चाहता हूं कि इस दिशा में क्या प्रयत्न हो रहे हैं और किस प्रकार से इस कार्य म और प्रगति लाने की चेष्टा हो रही है ?

श्री भक्त दर्शन : श्रीमन्, स्थिति यह है कि हम केन्द्रीय सरकार की ओर से शत-प्रति-शत सहायता दे रहे हैं। जिन जिन राज्य सरकारों से हमारे पास प्रस्ताव आते हैं उन्हें तत्काल स्वीकार किया जाता है। उदाहरण स्वरूप मैसूर म केवल एक विद्यालय था और अब वहां तीन विद्यालय इस प्रकार के चल रहे हैं। इसी प्रकार से ज्यों ज्यों राज्य सरकारों से मांग आती जाएगी हम उसे अवश्य स्वीकार करते जायेंगे। इस समय कोई ऐसा प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : जिन राज्यों में इस प्रकार की योजना चल रही है वे दो प्रकार के राज्य हैं। एक राज्य तो इस प्रकार के हैं जो आप की योजना का उत्साहपूर्ण ढंग से स्वागत कर रहे हैं। और खुद भी इस कार्य को बढ़ाना चाहते हैं और दूसरे कुछ राज्य सरकारें शिथिल हैं और वे आप के साथ नहीं चल रही हैं। मैं जानना चाहता हूं कि जिन राज्यों में शिथिलता से कार्य किया जा रहा है, उन राज्यों में क्या केन्द्रीय सरकार अपने हाथ में इस कार्य को ले कर दूसरे राज्यों के स्तर के बराबर उन को लाने का यत्न करेगी ?

श्री भक्त दर्शन : शिथिलता में तेजी लाने का प्रयत्न सदैव चलता रहता है। हम लोग व्यक्तिगत अनुरोध भी करते रहते हैं और राजकीय तौर पर भी अनुरोध किया जाता रहता है। मुझे आशा है कि हमारे प्रयत्न इस दिशा में अवश्य सफल होंगे।

श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती : यदि ठीक से यत्न किया होता तो यह अवस्था दक्षिण भारत में हिन्दी के विषय में न होती। अब क्या सरकार उस बात को दूर करने के लिए स्वयं राज्य सरकारों को प्रेरित करेगी कि वे बहुत उत्साह से हिन्दी प्रचार के अन्दर योगदान दें ? क्या सहायता केन्द्र देने को तैयार है ?

श्री भक्त दर्शन : माननीय सदस्य मुझ से सहमत होंगे कि भाषा सम्बन्धी सारा विवाद विचाराधीन है। हम लोगों को पूरी आशा है कि इस का समाधान बहुत शीघ्रता से किया जाएगा और तब इस कार्य में और तेजी आएगी।

Dr. Sarojini Mahishi: A special programme to introduce Hindi at the primary school level in the non-Hindi areas was adopted and, accordingly, teachers were appointed. The number of teachers also went on increasing year by year. May I know whether it is a fact that the Central Government took so much time to release the funds and the funds were never released in time with the result that there was a lot of discouragement in introducing this programme?

Shri Bhakt Darshan: I must admit that there was some delay during the previous years. But this year, as the statement shows, we have been able to clear off all the arrears. It is on account of the payment of those arrears that this amount has gone up to Rs. 1,90,87,954.00. No arrears remain now.

Shri Warior: May I know whether the Central Government has offered any special incentive in the southern States for training of teachers in Hindi and, also, whether they are kept on a par with teachers in other sections like English etc?

Shri Bhakt Darshan: The hon. Member's question can be divided

into two parts. The first one is about the encouragement given to Southern States. I must assure the hon. Member that there has not been any laxity on our part, and if and when any suggestion comes from any of the Southern States it will be considered most sympathetically and expeditiously. As regards difference in pay, there have been some complaints about it and we have written to all the State Governments to raise the pay scales of Hindi teachers also to the level of other language teachers.

श्री बड़े : पिछले साल में सदर्न स्टेट्स को कितना पैसा दिया गया है, कितना धन दिया गया है ? क्या यह सच है कि सदर्न स्टेट्स ने कहा है कि हिन्दी टैक्स्ट बुक्स के लिए भी हमें धन चाहिये और जो धन दिया जा रहा है वह अपर्याप्त है। क्या इस प्रकार की कम्प्लेंट्स आप के पास आई है ?

श्री भक्त दर्शन : टैक्स्ट बुक्स के बारे में जहां तक शिकायतों का सम्बन्ध है, मेरे पास कोई जानकारी नहीं है। जहां तक मुझे याद पड़ता है यह बात मेरे नोटिस में कोई नहीं आई है ।

जहां तक दक्षिण भारत के राज्यों को सहायता देने का प्रश्न है, यह तथ्य है कि काफी रुपया दिया गया है। उदाहरणस्वरूप मद्रास को अभी तक तीसरी पंचवर्षीय योजना के अन्दर हिन्दी अध्यापकों की नियुक्ति के लिये 64 लाख 64 हजार 740 रुपये दिये गये हैं। केरल को 54 लाख 38 हजार 831 दिये गये है। आन्ध्र प्रदेश को 17 लाख 11 हजार 600 रुपये दिये गये हैं। मैसूर को 61 लाख 93 हजार 159 रुपये दिये गये हैं। इस प्रकार जितना रुपया दिया गया है उस में से अधिकांशतः दक्षिण के राज्यों को दिया गया है ।

श्री बड़े : महाराष्ट्र को भी क्या दिये गये हैं ?

श्री भक्त दर्शन : महाराष्ट्र ने अभी तक हिन्दी अध्यापकों के सम्बन्ध में कोई मांग नहीं की है। उन का कहना है कि वे स्वयं उन की तनख्वाह की अदायगी करते रहेंगे ।

Shri S. Kandappan: May I know whether the Government is aware that while spending lavishly for the setting up of teachers' training colleges for Hindi in non-Hindi-speaking areas, in Tamil Nad there are not sufficient colleges for training teachers even in Tamil for want of funds?

Mr. Speaker: That would be a different thing altogether.

श्री म० ला० द्विवेदी : इस में कहां तक तथ्य है कि जिन हिन्दी टीचर्स ट्रेनिंग कालेजिज को भारत सरकार खोलती है कुछ राज्यों में वे अंग्रेजी के टीचर्स ट्रेनिंग कालेजिज की मातहती में काम करते है और उन में काम करने वाले अध्यापकों के वे स्केल भी बराबर नहीं हैं ? उन को बराबर करने के लिए क्या प्रबन्ध किया जा रहा है ?

श्री भक्त दर्शन: यह सच है कि इस तरह की कुछ सूचनायें हमें भी प्राप्त हुई है । लेकिन हम ने हाल ही में एक कमेटी नियुक्त की थी जिस के एक सदस्य माननीय सदस्य महोदय स्वयं थे। उन की रिपोर्ट आ जाने पर हम लोग चाहते हैं कि सारे देश में एक युनिफार्मिटी इस सम्बन्ध में लाई जाये ।

श्री विश्वनाथ पाण्डेय : अहिन्दी भाषी राज्यों में हिन्दी के प्रचार के लिए शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कालेज स्थापित किये गये है। मैं जानना चाहता हूं कि अभी तक कितने अध्यापकों को इन प्रशिक्षण कालेजों में प्रशिक्षित किया जा सका है ?

श्री भक्त दर्शन : इस के लिये तो सूचना चाहिये, लेकिन मोटे तौर से एक एक विद्यालय में अस्सी अध्यापक एक बार में पढ़ाये जाते है ।

श्री रामसेवक यादव : जो विवरण रखा गया है उस को देखने से मालूम होता है कि अहिन्दी भाषी राज्यों में कहीं एक और कहीं दो इस तरह से शिक्षण कालेजों की व्यवस्था हो सकी है । 1965 के बाद जो संविधान की स्थिति है उस में हिन्दी राज भाषा होगी ।

मैं जानना चाहता हूं कि क्या शिक्षा मंत्रालय इस बात को सन्तोषजनक समझता है कि एक दो कालेजों से काम चल सकता है और यदि नहीं तो इस को ठीक करने के लिए या ज्यादा लोगों में शीघ्रता के साथ हिन्दी का प्रचार करने के कार्य में वह क्या कुछ करने जा रहा है ?

श्री भक्त दर्शन : इस विवरण के अन्त में स्वयं दिया गया है कि इस समय जो योजना इस मंत्रालय के अन्तर्गत चल रही है उस के कार्यक्रमों में और तेजी लाने का हम विचार कर रहे हैं। इस के अन्तर्गत यह सब पूरा हो जाएगा ऐसी आशा है ?

श्री यू० सिं० चौधरी : पिछले पन्द्रह साल से यह आरोप लगाया जाता रहा है और यह सत्य भी है कि सरकार ने इस दिशा में कुछ भी कार्य नहीं किया है। जो कुछ भी बयान दिये जा रहे हैं या शिक्षा मंत्रालय की तरफ से जो कुछ भी किया जा रहा है वह इसी बात का प्रतीक है। अभी पीछे वहां पर हिन्दी विरोधी आन्दोलन हुआ था। मैं जानना चाहता हूं कि तब से कौन से विशेष कदम उठाये गये है हिन्दी के प्रचार और प्रसार के लिये, हिन्दी के अध्यापक तैयार करने के लिये जिस से कि कुछ अन्तर स्पष्ट दिखाई दे सके ?

श्री भक्त दर्शन : जहां तक शिक्षा मंत्रालय का सम्बन्ध है हमारा कार्यक्रम पहले से ही चलता रहा है और अब तो निश्चय किया गया है कि इस में और तेजी लायी जाये। इस बीच इस में कोई बाधा नहीं पड़ी है।

Shri Sham Lal Saraf: What is the curriculum of subjects introduced in these colleges? Have any attempts been made to introduce subjects like literature and other subjects that pertain to the lands where the colleges have been opened?

Shri Bhakt Darshan: I would like to have notice, Sir.

Shri Sham Lal Saraf: Sir, I will explain it. It is a very important

Mr. Speaker: The Minister says that he wants notice. What is there to explain at this stage?

श्री ब्रज बिहारी मेहरोत्रा : दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा का भी इस में आप को क्या सहयोग प्राप्त है ?

श्री भक्त दर्शन : दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा का इस सम्बन्ध में हमें पूरा सहयोग मिलता रहा है। बल्कि मद्रास राज्य में जो टीचर्स ट्रेनिंग कालेज है वह उन के सहयोग से ही चलाया जा रहा है।

Shri P. R. Patel: Regarding the Hindi taught in the teachers' training colleges in non-Hindi-speaking areas, what type of Hindi is it? Is it Sanskritized Hindi or Urduised Hindi?

Shri Bhakt Darshan: I must remove any wrong impression in the minds of hon. Members on this score. It is Hindi, pure and simple; nothing else. As regards training colleges, there is one in Gujarat run by the Gujarat Vidya Peeth.

श्री रामेश्वरा नन्द : मद्रास में क्या ऐसा हो रहा है कि जो विद्यार्थी हिन्दी ट्रेनिंग लेना चाहते हैं, जो विशेष रूप से उस में प्रविष्ट होना चाहते हैं उन को घृणा की दृष्टि से देखा जा रहा है ?

श्री भक्त दर्शन : जी नहीं, यह बिल्कुल सत्य नहीं है। वहां के लोग बड़े उत्साह से हिन्दी को सीख रहे हैं--ऐसी सूचनायें हमें मिलती है।

श्री उ० मू० त्रिवेदी : डी० एम० के० वालों को पूछो।

Poem Published in "Shama" Magazine

+

*856. **Shri Hukam Chand Kachhavaiya:**
Shri Onkar Lal Berwa:
Shri U. M. Trivedi:

Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a poem entitled "Lakhat-e-Jigar" published in the August 1964 issue of "Shama"